बालमन कुछ कहता है

सुझे स्कूल जाना पसंद है मीरा जाम अकल पहाड़िया है। में 10 के ह्या में पढ़ता हूँ। मुझे रीज - रीज स्कूल जाना और पढ़ना अच्छा लगता है। मुझे समी विषयों में गणित पढना बहुता वहत अन्दरा लगता है। क्यों कि इसमें भीड़ना, घटाना, गुणा करना हीता है। भी सही अच्छा लगाता है। मेरी मैडम गणित में गील, चीकीर, त्रिम्ज अर्थि स्केल भी काम करना पसंद है। मेरी मैडना राणित की भावशीत और खेल-खेल में पहाड़े व आकारी की बनाना सिखाती है भी अपनी कक्षा का हीनहार विधार्थी हूँ। नाम- अक्न पहाणियाँ

बालमन कुछ कहता है



भैरा समना

मेरा नाम अप्रजित राजीश है। में 10 किशा मिं पहारा हूं। मेरी हिही की किशा रिमिस में पहार कहें। जिस में कई कितार हैं। जैसे — मां जी, मन के मोले - माल नाइल, मीर उलझा हैं। एन के मोले - माल नाइल, मीर उलझा हैं। एनमें से मुझे उलझा कितार बहुत परंद हैं। लेकिन इसे पहकर सूझे अमते जीवल के नारे में सोम्प्रें में कोई उलझान नहीं हैं। में बड़ा ही का वैज्ञालिक बत्तां और अमिक में जाईंगा कि सेर करगां मूझें अल्पार यावता प्रिता बिलियम, हाक लगते हैं। में इलके जैसा बनना चाहता हूँ। मैं एक तीन अपना सपना पूरा करगां।

काम-मतिन राजीश कक्षा - IV - C काम-मतिन राजीश